

30.1.23

प्राणकी सेवा करी लवासी कालुषीय नदें, जल
4.10 pm तीर पर है, काल लगाकर है गई,
इलाहा बिल्ला, पुनः काल लगाकर है।
का-का काल लगाकरे परमी नरी
बारीका स्वयं न ही नरके कालिदासा इप.
हूँ इला, का इला माली काल पैकी
ने कालिदा बिल्ला जाना है, प्राणकी
मिल ल सुभा की जाम का न माली
दालिदा दालिदा

4.